चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की पाठ्यचर्या

हिन्दी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुसार

हिन्दी विभाग की अध्ययन मंडल (Board of Studies – BoS) की प्रथम बैठक द्वारा अनुशंसित तथा लखिमपुर बालिका महाविद्यालय (स्वायत्त) की शैक्षणिक परिषद (Academic Council) की दिनांक 28 जून 2026 को आयोजित प्रथम बैठक द्वारा प्रस्ताव संख्या AC/1/2026/05 के माध्यम से अनुमोदित।

लखिमपुर बालिका महाविद्यालय (स्वायत्त)

उत्तर लखिमपुर, लखिमपुर – 787031, असम

यह पाठ्यक्रम लखिमपुर बालिका महाविद्यालय (स्वायत्त) के हिन्दी विभाग के लिए डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को मॉडल पाठ्यक्रम के रूप में ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। साथ ही, संदर्भों एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इसमें आवश्यक संशोधन एवं परिवर्धन किए गए है।

प्रस्तावना:

यह पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य, भाषा तथा उसके विविध आयामों पर आधारित है । इसकी संरचना इस प्रकार की गई है कि अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी साहित्य के स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्त्व को गहराई से समझ सकें। साथ ही वे साहित्यिक कृतियों का विश्लेषण करना, उनकी सौंदर्यात्मक सराहना करना तथा पाठ के प्रति अपनी आलोचनात्मक एवं संवेदनात्मक दृष्टि विकसित करना सीख सकें । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि, चिंतनशीलता और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण का विकास करने में सहायक सिद्ध होगा । चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है । भारत विविधताओं से परिपूर्ण देश है, जहाँ भाषायी, सांस्कृतिक और साहित्यिक बहुलता विद्यमान है । मानक हिन्दी के अंतर्गत अनेक बोलियाँ एवं लोकभाषाएँ सम्मिलित हैं, जिनका साहित्य हिन्दी साहित्य को समृद्ध और व्यापक बनाता है । इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की इसी बहुआयामी और बहु विधायी पाठ संस्कृति परंपरा से परिचित कराया जाएगा ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) पाठ्यक्रम में सम्मिलित विभिन्न विधाओं और पाठों के अध्ययन से विद्यार्थी न केवल अपने ज्ञान और विवेक का विस्तार कर सकेंगे, बल्कि उनमें आलोचनात्मक विश्लेषण की क्षमता भी विकसित होगी । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को साहित्य, समाज और संस्कृति के अंतर्संबंधों को समझने में समर्थ बनाएगा । वर्तमान समय सूचना एवं प्रौद्योगिकी क्रांति का युग है, जहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न होकर रोजगारोन्मुख दक्षताओं का और नवोन्मेषी धारणाओं का विकास करना भी है । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में भी सहायक सिद्ध होगा, जिससे वे अपने भविष्य को अधिक सुदृढ़ बना सकें । विद्यार्थी केंद्रित एवं परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली के अंतर्गत यदि इन पाठ्यक्रमों को नवाचार और व्यावहारिक दृष्टि से लागू किया जाए, तो यह न केवल विद्यार्थियों बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक है कि साहित्य अध्ययन में स्थानीयता के साथ-साथ राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण को भी समाहित किया जाए । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को साहित्य की व्यापकता एवं समकालीन प्रासंगिकता से परिचित कराएगा तथा हिन्दी साहित्य के अध्ययन के प्रति उनकी रुचि को और अधिक प्रोत्साहित करेगा । इस स्थानिकता का बोध और परिचय विद्यार्थियों को साहित्य के क्षेत्रीय परिज्ञान एवं बौद्धिक संपदा से जोड़ सकेगा तथा उनको विश्वस्तरीय ज्ञान की परिपाटी में शामिल होने का अवसर प्रदान करेगा, अतः अपेक्षा की जाती है कि महाविद्यालय इन पाठ्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ और विद्यार्थियों को इसके अध्ययन हेतु प्रेरित करें ।

यह पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य और भाषा के विविध पक्षों को समाहित करते हुए विद्यार्थियों के समग्र बौद्धिक एवं साहित्यिक विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है । इसकी संरचना इस प्रकार की गई है कि अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों का सूक्ष्म विश्लेषण करने, उनकी कलात्मक एवं भावात्मक विशेषताओं की सराहना करने तथा पाठ के गहन अध्ययन और आलोचनात्मक विश्लेषण की समझ विकसित करने में सक्षम हो सकें । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को साहित्य के उद्देश्य, स्वरूप और सामाजिक महत्त्व से परिचित कराने के साथ-साथ उनमें आलोचनात्मक चिंतन, संज्ञानात्मक बोध,संवेदनशीलता तथा रचनात्मक दृष्टि का विकास करेगा । साथ ही यह हिन्दी साहित्य की समृद्ध परंपरा, भाषायी विविधता तथा समकालीन संदर्भों की व्यापक समझ विकसित करने में भी सहायक सिद्ध होगा । यह पाठ्यक्रम सूचना प्रौद्यौगिकी आधारित इस युग में हिंदी साहित्य के तकनीकी पक्ष और वैज्ञानिक आयामों को भी बढ़ावा देगा । अधिक व्यवहारिक प्रयोगात्मक और दूरगामी परिणामों के एक महत्वपूर्ण उपकरण की भूमिका निभाएगा, जो आज के अंतर्विषयी/ अंतरानुशासनात्मक ज्ञान परिपाटी के लिए अत्यंत मूल्यवान और अनुकरणीय होगा ।

उद्देश्य :

हिन्दी के प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है -

1) विद्यार्थीयों को सचेत एवं संवेदनशील नागरिक बनाना ।

2) एक कुशल वक्ता और भाषा प्रयोक्ता का निर्माण करना ।

3) समाज और समुदाय के प्रति गहन और वैज्ञानिक दृष्टि का विकास करना ।

4) राष्ट्रीय चेतना तथा वैश्विक बोध का विकास करना ।

5) स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना ।

6) भाषा संबंधी कौशल एवं व्यावहारिक दक्षता का विकास करना ।

7) विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना ।

8) विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टिकोण आधारित आलोचनात्मक विवेक का विकास करना ।

9) सम्प्रेषण कौशल और संचार मूल्यों का विकास करना ।

10) समूह कार्य और समय प्रबंधन के प्रति सचेत करना ।

11) सामाजिक आदर्श और यथार्थ को साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित करना ।

12)आधुनिक विमर्शों से उपजे मानवतावादी दृष्टिकोण के प्रति उदार बनाने का प्रयास करना ।

स्नातकीय विशेषता :

1.अनुशासनात्मक ज्ञान

- हिन्दी साहित्य की विभिन्न शैलियों, युगों एवं धाराओं की पहचान तथा उन पर चर्चा करने की क्षमता ।
- विभिन्न साहित्यिक और महत्वपूर्ण अवधारणाओं को हासिल करने की क्षमता ।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी और उनकी ऐतिहासिक संदर्भ जानने की क्षमता ।
- विभिन्न दृष्टिकोणों से भाषा विश्लेषण कौशल एवं नवाचारी प्रयोग आधारित कार्यकलापों में निपुणता ।
- विभिन्न सिद्धांतों के आधार पर पाठ आलोचना की योग्यता ।
- सामाजिक संदर्भ में साहित्य का मूल्यांकन और विश्लेषण करने की क्षमता ।
- साहित्यिक पाठ के अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भो में साहित्यिक विश्लेषण के बारे में जिज्ञासा ।

2. प्रेषणीयता

- साहित्यिक तथा अन्य विविध क्षेत्रों में हिन्दी कथन एवं लेखन कौशल का विकास ।
- आलोचनात्मक अवधारणाओं के प्रयोग कौशल का विकास ।
- सम्प्रेषण क्षमता का विकास ।
- भाषा का अधिकार और संसार सहभागिता का विकास ।

3. गंभीर विचार

- विचारात्मक सोच का विकास ।
- साहित्य अध्ययन के लिए तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास ।
- विमर्शात्मक मूल्यों पर विचार और गहन समझ का निर्माण ।

4. समस्या समाधान

- मौखिक एवं लिखित हिन्दी में आनेवाली समस्याओं का समाधान ।
- हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास में संबंधित प्रश्नों का समाधान ।
- हिन्दी भाषा के तकनीकी अनुप्रयोग से संबंधित समस्याओं का समाधान ।

5. बहुसांस्कृतिक क्षमता

- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर बहुसांस्कृतिक आयामों से परिचित।
- भौगोलिक और स्थानिक परिस्थितियों में सृजित साहित्य से परिचित ।

6. अनुसंधान संबंधी कौशल

- अन्वेषणमूलक दृष्टिकोण का बीज वपन ।
- अनुसंधान की मूल समस्याओं की पहचान ।
- अनुसंधान परियोजना की तैयारी का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान ।
- पाठ केंद्रित शोध और आलोचनात्मक प्रवृत्तियों का ज्ञान ।

7. सूचना डिजिटल साक्षरता

- हिन्दी साहित्य, समाचार पत्र, पत्रिका आदि जैसे विभिन्न ई-स्त्रोत का ज्ञान ।
- हिन्दी भाषा में ई-पृष्ठों, ई-सामग्री पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य को समृद्ध और विकसित करने की क्षमता ।
- नवाचार केन्द्रित विषयों में रोजगार के अवसर की खोज और तदनुकूल ज्ञान संपदा का निर्माण ।

8. चिंतनशील सोच

- शिक्षण और अनुभव से प्राप्त सोच के माध्यम से सामाजिक स्थिति निर्धारण करने की क्षमता ।
- संज्ञानात्मक बोध ,चयनात्मक और अनुकरणात्मक प्रत्ययों की जांच और अवधारणा का विकास।
- भाषा आधारित मनोगत चेष्ठाओं, ऐच्छिक-अनैच्छिक क्रियाओं को समझने और जानने की कला का विकास ।

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (PLO) :

हिन्दी स्नातक कार्यक्रम से संबंधित परिणाम इस प्रकार हैं -

1. साहित्य सम्प्रेषण के आधार बिन्दुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट ज्ञान विकसित हो सके ।
2. हिन्दी साहित्य और भाषा के क्षेत्र में प्रमुख अवधारणाओं, सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य एवं नविनतम रुझानों के साथ परिचित कराना ताकि साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता को बढ़ावा देना ।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना ।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संस्कृति के बारे में जानकारी देना ताकि साहित्यिक मूल्यांकन एवं आलोचनात्मक विश्लेषण की योग्यता का विकास हो सके।

6. आधुनिक संदर्भो में तकनीकी संसाधनों एवं सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए हिन्दी साहित्य की जानकारी देना ।
7. मानव जीवन के विविध स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना ।
8. विद्यार्थी लेखन, वाचन और श्रवण जैसी मूलभूत योग्यता के विकास के साथ ही कल्पनाशक्ति का विकास करें जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके ।
9. हिन्दी साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नये नये मार्ग/ अवसरों पर बल देना ।
10. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरूकता पैदा करना ।
11. स्थानीकता-बोध और भाषा परिप्रक्ष्य की विशेषताओं से परिचय कराते हुए उनके महत्व को सामने लाना।

शिक्षण अधिगम पद्धति:

1. व्याख्यान
2. संवाद तथा तर्क प्रस्तुत
3. परिवेश का सृजन
4. प्रश्न करने की कला का विकास
5. समकालीन साहित्य का ज्ञान
6. अध्ययन से संबंधित पर्यटन
7. क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
8. तकनीकी सहयोग और डिजिटल सहभागिता को बढ़ावा

मूल्यांकन पद्धति:

1. गृह कार्य
2. परियोजना रिपोर्ट
3. कक्षा प्रस्तुति
4. सामुहिक चर्चा
5. सत्र परीक्षा
6. सामूहिक पाठ
7. पाठ प्रदर्शनी

8. आशु वक्तव्य
9. अभिव्यक्ति कौशल
10. डिजिटल सामग्री निर्माण

FYUGP Structure as per UGC Credit Framework of December, 2022

Year	SEMESTER	Course	Title of the Course	Total Credit
YEAR 01	1ST SEMESTER	HIN-MAJ-4-101	हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल	4
		HIN-MIN-4-101	हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल	4
		HIN-GEC-3-101	पर्यटन और यात्रा साहित्य	3
		HIN-AEC-4-101	हिन्दी भाषा और व्याकरण	4
		HIN-SEC-3-101	व्यावहारिक हिन्दी 1 – कंप्युटर अनुप्रयोग	3
		UGP-VAC-2-101/ UGP-VAC-2-102		2
20				

Year	SEMESTER	Course	Title of the Course	Total Credit
YEAR 01	2ND SEMESTER	HIN-MAJ-4-201	हिन्दी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल एवं आधुनिक काल का परिचय	4
		HIN-MIN-4-201	हिन्दी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल एवं आधुनिक काल का परिचय	4
		HIN-GEC-3-201	सृजनात्मक लेखन	3
		HIN-SEC-3-201	व्यावहारिक हिन्दी 2 – मीडिया एवं साक्षात्कार विधि	3
		HIN-AEC-4-201	English Language and Communication skill	4
		ADD-VACEVS-4-201		2
20				

SEMESTER I

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE–HINDI–1 (CREDIT : 4) L–40, T–4, P–0

Total Marks : 100 (Th–60 + IA–40)

Title of the Course: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल

Course Code: HIN-MAJ-4-101

Nature of the Course: Major

Total Credits: 4

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य का इतिहास पढ़ना हमारी सांस्कृतिक विरासत, भाषा के विकास और सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनों को समझने के लिए आवश्यक है । आदिकाल से भक्तिकाल तक की प्रवृत्तियों, प्रमुख कवियों (विद्यापति,अमीर खुसरो, कबीर, जायसी, सुरदास, तुलसी) और मानवीय संवेदनाओं का क्रमिक अध्ययन एवं विश्लेषण प्रदान करता है । इसे ध्यान में रखते हुए इस विषय को पाठ्यक्रम में रखा गया है ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य का सही दिशा,दशा का पता चल सके।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन परंपरा को जानना

ILO1: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन परंपरा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को जानना ।

IL02: हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन से अवगत होंगे ।

ILO3: नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी ।

CO2: हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक काल और विकसात्मक स्वरूप से परिचित कराना

ILO1: आदिकालीन युग की पृष्ठभूमि और परिस्थितियों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।

ILO3: आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेंगे ।

ILO4: अमीरखूसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझेंगे ।

CO3: भक्तिकालीन साहित्य एवं भक्ति के उदय के मूलभूत कारणों से परिचित कराना

ILO1: भक्ति आन्दोलन के उद्भव विकास से परिचित होंगे ।

ILO2: भक्तिकालीन परिस्थितियों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO3: भक्तिकाल को स्वर्ण युग कहने का कारण जान पाएंगे ।

CO4: भक्तिकालीन काव्यधारा से परिचित कराना

ILO1: निर्गुण भक्तिकाव्य के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: संत और सूफी काव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियों के बारे जान सकेंगे । कबीर एवं जायसी से परिचित होंगे ।

ILO3: सगुण भक्तिकाव्य काव्य के बारे में जानेंगे ।

ILO4: कृष्ण भक्ति और राम भक्ति साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे । सूरदास और तुलसीदास के जीवन के बारे में जान सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (12 Marks)	• हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा • काल विभाजन • नामकरण की समस्या	12	01	-	13
2 (16 Marks)	• आदिकाल : युग की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितीयां • आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियां • आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएं – सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य, रासो साहित्य • अमीर खुसरो, विद्यापति (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)	16	01	-	17
3 (16 Marks)	• भक्ति साहित्य का उदय और विकास • भक्ति काल की परिस्थितियां • भक्तिकाल : स्वर्ण युग	14	01	-	15
4 (16 Marks)	• निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप • संत और सूफी काव्य (साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं कबीर, जायसी का सामान्य परिचय) • सगुण भक्ति काव्य का स्वरूप • कृष्ण भक्ति और राम भक्ति काव्य (साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं सूरदास, तुलसीदास का सामान्य परिचय)	14	01	-	15
	Total	56	4	-	60

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**
- **Attendance** **5 Marks**

- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियां: डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन ,नयी सड़क दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास: डॉ.नगेन्द एवं डॉ हरदयाल मयुर प्रकाशन,नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का सूबोध इतिहास: बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन,आगरा ।
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: डॉ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
6. हिन्दी साहित्य और सवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

SEMESTER I

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE–HINDI–1 (CREDIT : 4) L–40, T–4, P–0

Total Marks : 100 (Th–60 + IA–40)

Title of the Course: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल और भक्तिकाल

Course Code: HIN-MIN-4-101

Nature of the Course: MINOR

Total Credits: 4

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य का इतिहास पढ़ना हमारी सांस्कृतिक विरासत, भाषा के विकास और सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनों को समझने के लिए आवश्यक है । आदिकाल से भक्तिकाल तक की प्रवृत्तियों, प्रमुख कवियों (कबीर, जायसी, सुरदास, तुलसी) और मानवीय संवेदनाओं का क्रमिक अध्ययन एवं विश्लेषण प्रदान करता है । इसे ध्यान में रखते हुए इस विषय को पाठ्यक्रम में रखा गया है ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य का सही दिशा,दशा का पता चल सके।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास को जानना

ILO1: हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परंपरा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष को जानना ।

IL02: हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन से अवगत होंगे ।

ILO3: नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी ।

CO2: हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक काल और विकसात्मक स्वरूप से परिचित करना

ILO1: आदिकालीन युग की पृष्ठभूमि और परिस्थितियों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: आदिकालीन साहित्य की समान्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।

ILO3: आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेंगे ।

CO3: भक्तिकालीन साहित्य एवं भक्ति के उदय के मूलभूत कारणों से परिचित कराना

ILO1: भक्ति आन्दोलन के उद्भव विकास से परिचित होंगे ।

ILO2: भक्तिकालीन परिस्थितियों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO3: भक्तिकाल को स्वर्ण युग कहने का कारण जान पाएंगे ।

CO4: भक्तिकालीन काव्यधारा से परिचित कराना

ILO1: निर्गुण भक्तिकाव्य के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: संत और सूफी काव्य की साहित्यिक विशेषताओं के बारे जान सकेंगे ।

ILO3: सगुण भक्तिकाव्य काव्य के बारे में जानेंगे ।

ILO4: कृष्ण भक्ति और राम भक्ति साहित्य की विशेषताओं से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (12 Marks)	• हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा • काल विभाजन • नामकरण की समस्या	12	01	-	13
2 (16 Marks)	• आदिकाल : युग की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितीयां • आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियां • आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएं - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य	16	01	-	17
3 (16 Marks)	• भक्ति साहित्य का उदय और विकास • भक्ति काल की परिस्थितियां • भक्तिकाल : स्वर्ण युग	14	01	-	15
4 (16 Marks)	• निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप • संत और सूफी काव्य की साहित्यिक विशेषताएं • सगुण भक्ति काव्य का स्वरूप • कृष्ण भक्ति और राम भक्ति काव्य की साहित्यिक विशेषताएं	14	01	-	15
	Total	56	4	-	60

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**
- **Attendance** **5 Marks**
- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M

CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ

7. हिन्दी साहित्य का इतिहास: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी।
8. हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियां: डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन ,नयी सड़क दिल्ली ।
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास: डॉ.नगेन्द एवं डॉ हरदयाल मयुर प्रकाशन,नयी दिल्ली।
10. हिन्दी साहित्य का सूबोध इतिहास: बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन,आगरा।
11. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: डॉ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
12. हिन्दी साहित्य और सवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

SEMESTER- I

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE- GEC-1 (CREDIT- 3) L-40. T-4, P-0)

Total Marks- 100 (Theory- 60 , IA- 40)

Title of the Course : पर्यटन और यात्रा साहित्य

Course Code: HIN-GEC-3-101

Nature of the Course : Generic Elective Course

Total Credit : 3

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना : पर्यटन एक गतिशील, बहुआयामी तथा विश्वव्यापी कार्यक्षेत्र है, जो मनुष्य को अपने सामान्य परिवेश से बाहर निकलकर अवकाश, व्यवसाय, ज्ञानार्जन अथवा अन्य उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विविध गंतव्यों तक पहुँचने का अवसर प्रदान करता है । यह केवल स्थानों की यात्रा भर नहीं, बल्कि विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, लोक साहित्य, साहित्यिक स्थलों, परंपराओं एवं सामाजिक जीवन को निकट से जानने-समझने का सशक्त माध्यम है । साहित्य और पर्यटन का संबंध अत्यंत घनिष्ठ है । साहित्यिक रचनाएँ पाठकों के मन में किसी स्थान विशेष के प्रति जिज्ञासा, आकर्षण और संवेदनात्मक जुड़ाव उत्पन्न करती हैं। वे पाठकों को यात्रा करने, स्थानीय जनजीवन के साथ आत्मीय संबंध स्थापित करने तथा किसी पर्यटन स्थल की सांस्कृतिक विशेषताओं को अनुभव करने के लिए प्रेरित करती हैं । इस प्रकार, साहित्य न केवल यात्रा के प्रति रुचि जागृत करता है, बल्कि पर्यटन को सांस्कृतिक एवं मानवीय दृष्टि से समृद्ध बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: पर्यटन को विकसित कराना एवं बढ़ावा देना ।

ILO1: पर्यटन का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व को समझेंगे ।

ILO2: यात्रा साहित्य से परिचित हो सकेंगे ।

CO2: भरतीय पर्यटन क्षेत्र से परिचय कराना ।

ILO1: भारत वर्ष के कुछ महत्वपुर्ण पर्यटन स्थलों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: असम के कुछ महत्वपुर्ण पर्यटन स्थलों से परिचित होंगे ।

CO3: पर्यटन में चिह्नित साहित्यिक स्थलों से परिचित कराना ।

ILO1: भारतीय पर्यटन में चिह्नित हिन्दी साहित्य के निर्माताओं के कर्मस्थल से परिचित होंगे ।

CO4: पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं से परिचित कराना ।

ILO1: पर्यटन की दृष्टि से अमूल्य भारत, प्रणाम पर्यटन, भारतीय रेल आदि पत्र-पत्रिकाओं के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित यात्रा-वृतांत माजूली (अज्ञेय) से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3		CO1, CO2, CO3		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	• पर्यटन का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व • यात्रा साहित्य की अवधारणा	10	01	-	11
2 (15 Marks)	• भारत में पर्यटन के महत्वपूर्ण स्थल (दिल्ली, आगरा, जयपुर, कन्याकुमारी, नामसाई) • असम के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल (गुवाहाटी, शिवसागर, काजीरंगा, तेजपुर)	10	01	-	11
3 (15 Marks)	• पर्यटन में चिन्हित साहित्यिक स्थल, जहाँ भारतीय हिन्दी साहित्य के निर्माताओं का कार्यस्थल रहे हैं	10	01	-	11

	(इलाहावाद, वाराणसी, कोलकाता, दिल्ली, शिमला)				
4 (15 Marks)	• पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं (अतुल्य भारत, प्रणाम पर्यटन, भारतीय रेल) • पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित यात्रा-वृतांत: माजूली (अज्ञेय)	11	01	-	12
	Total	41	4	-	45

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**
- **Attendance** **5 Marks**

- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. ऐतिहासिक पर्यटन : डॉ. शिव चन्द्र सिंह रावत, डॉ. मनोज कुमार उनियाल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

2. भारत के पर्यटन स्थल: नीरज त्यागी, गौरव बूक सेंटर, नयी दिल्ली ।

3. पर्यटन सिद्धान्त और प्रबंधन : शिव स्वरूप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

4. भारत में पर्यटन : राजेश कुमार व्यास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

SEMESTER I

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE–HIN–2 (CREDIT : 4) L–40, T–4, P–0

Total Marks : 100 (Th–60 + IA–40)

Title of the Course: हिन्दी भाषा और व्याकरण

Course Code: HIN-AEC-4-101

Nature of the Course: Ability Enhancement Course

Total Credits: 4

Distribution of Marks: 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना : भाषा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है । इसके द्वारा ही हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं । विभिन्न देशों, प्रदेशों तथा क्षेत्रों की अपनी-अपनी भाषाएँ होती है । भाषा ही जगत के कार्य-व्यापार, सम्प्रेषण एवं व्यवहार का मूल आधार है । हिन्दी भाषा भारतीय संस्कृति, साहित्य और सामाजिक जीवन की एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थीयों को हिन्दी भाषा की संरचना, स्वरूप तथा व्याकरणिक नियमों से परिचित कराना है । इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी व्याकरण के विभिन्न पक्ष जैसे वर्ण व्यवस्था, शब्द व्यवहार, वाक्य व्यवस्था आदि का अध्ययन कराया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा-शुद्धता, अभिव्यक्ति-कौशल तथा प्रभावी सम्प्रेषण क्षमता का विकास करना है , ताकि वे भाषा का सही एवं व्यावहारिक प्रयोग कर सकें ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और बारीकियों से परिचित करना ।

ILO1: हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास को समझ सकेंगे ।

ILO2: हिन्दी भाषा के विभाषा और बोलियों के बारे में जान सकेंगे।

ILO3: हिन्दी भाषा के विविध रूपों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

CO2: हिन्दी भाषा का सही उच्चारण एवं सही शब्द प्रयोग के प्रति सचेत कराना ।

ILO1: हिन्दी भाषा की विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे।

ILO2: स्वर एवं व्यंजन तथा उसके प्रकार और प्रयोग को समझेंगे ।

ILO3: ऊष्म वर्ण, अल्पप्राण, महाप्राण घोष-अघोष वर्णों से परिचित होंगे ।

CO3: हिन्दी शब्द व्यवहार से परिचित कराना ।

ILO1: पद, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, कारक आदि को जानेंगे ।

ILO2: शब्दस्रोत से परिचित होंगे ।

CO4: वाक्य, उपवाक्य, पत्र लेखन तथा विलोम शब्द और पर्यायवाची शब्द के व्यवहार को सिखना ।

ILO1: वाक्य, उपवाक्य और उसके भेद के बारे में जान पाएंगे ।

ILO2: पत्र लेखन की कला सीखेंगे ।

ILO3: विलोम एवं पर्यायवाची शब्द के बारे में जान सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	• हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास • हिन्दी भाषा की विभाषा और बोलियाँ • हिन्दी भाषा के विविध रूपों का परिचय (राजभाषा हिन्दी, राष्ट्रभाषा हिन्दी, मानक हिन्दी, संपर्क भाषा हिन्दी)	14	01	-	15
2 (15 Marks)	• हिन्दी भाषा की विशेषताएं • हिन्दी की वर्ण व्यवस्था: स्वर एवं व्यंजन, प्रकार एवं प्रयोग, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष, अघोष	14	01	-	15
3 (15 Marks)	• शब्द व्यवहार: संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, कारक • शब्दस्लोत: तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज/आगत	14	01	-	15
4 (15 Marks)	• वाक्य व्यवस्था: वाक्य, उपवाक्य, स्वरूप एवं भेद • पत्र लेखन: औपचारिक एवं अनौपचारिक • विलोम शब्द एवं पर्यायवाची शब्द	14	01	-	15
	Total	56	4	-	60

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**
- **Attendance** **5 Marks**

- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M

CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना ।

2. हिन्दी भाषा : डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना: अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

4. हिन्दी व्याकरण एवं सम्प्रेषण : डॉ. अलका वशिष्ठ, अजय गोयल, डॉ. नवकान्त दास, डॉ. मनोज कुमार कलिता, साहित्य सरोवर, आगरा ।

5. हिन्दी भाषा और व्याकरण : डॉ. जोनाली बरुवा और डॉ. मनोज कुमार कलिता, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. हिन्दी भाषा एवं व्याकरण : बालकृष्ण श्रीवास्तव, महावीर पब्लिकैशन, डिब्रूगढ़ ।

SEMESTER- I

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE- HIN-1 (CREDIT-3) L-40. T-4, P-0)

Total Marks- 100 (Theory- 45, Practical-15, IA- 40)

Title of the Course : व्यावहारिक हिन्दी 1 : कंप्युटर अनुप्रयोग

Course Code: HIN-SEC-3-101

Nature of the Course : Skill Enhancement Course

Total Credit : 3

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना : आधुनिक युग सूचना एवं प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें कम्प्यूटर, इंटरनेट, ई-मेल, सॉफ्टवेयर तथा वेबसाइट का उपयोग अत्यंत आवश्यक हो गया है । ऐसे समय में हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर के प्रौद्योगिकी ज्ञान का होना विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य बन गया है । इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है । इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की विकास यात्रा, कंप्युटर में हिन्दी के प्रयोग,कंप्युटर में हिन्दी की सुविधाएं चुनौतियाँ और संभावनाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही, वे हिन्दी में ई-मेल का व्यवहार, देवनागरी लिपि में टंकण, तथा हिन्दी वेबपेज निर्माण जैसे व्यावहारिक कौशल भी सीख सकेंगे । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रेरित एवं सक्षम भी बनाता है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: कंप्यूटर का मूलभूत परिचय

ILO1: कंप्युटर के विकास यात्रा के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: कंप्युटर के बुनियादी आयाम और कार्य पद्धति के बारे में जान सकेंगे ।

ILO3: कंप्युटर की कार्य पद्धति के बारे में जान सकेंगे ।

CO2: कम्प्यूटर में हिन्दी के प्रयोग के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: कम्प्यूटर में हिन्दी के आगमन के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: कम्प्यूटर में देवनागरी के प्रयोग एवं उपयोगिता के बारे में सीखेंगे ।

ILO3: कम्प्यूटर में हिन्दी की सुविधाएँ और चुनौतियों के बारे में ज्ञात होंगे और उचित प्रयोग को सीखेंगे ।

ILO4: युनिकोड के महत्व के बारे में जान सकेंगे ।

CO3: कम्प्यूटर का व्याहारिक ज्ञान दिलाना ।

ILO1: कम्प्यूटर पर देवनागरी लिपि में टाइप करना सीख सकेंगे ।

CO4: कम्प्यूटर पर व्याहारिक रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित कराना ।

ILO1: व्यावहारिक रूप में हिन्दी वेबपेज निर्माण करना सीखेंगे ।

ILO2: हिन्दी में ई-मेल पर संदेश भेजना सीख सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2	CO1, CO2	CO3, CO4			
Conceptual Knowledge	CO1, CO2	CO1, CO2				
Procedural knowledge						
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	• कंप्युटर की विकास यात्रा • कंप्युटर के बुनियादी आयाम (हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, इनपुट, आउट्पुट, मेमोरी) • कंप्युटर की कार्य पद्धति (प्रोसेसिंग, प्रोग्राम एवं एप्लिकैशन)	9	1	-	10
2 (25 Marks)	• कंप्युटर में हिन्दी का आगमन • कंप्युटर में देवनागरी लिपि का प्रयोग एवं उपयोगिता • कंप्युटर में हिन्दी : सुविधाएं, चुनौतियाँ और संभावनाएं • युनिकोड का महत्व	10	1	-	12
3 (5 Marks)	व्यवहारिक (Practical) • कंप्युटर में हिन्दी टाइपिंग (फॉन्ट परिवर्तन एवं लेआउट निर्माण)	5	1	6	12
4 (10 Marks)	व्यवहारिक (Practical) • हिन्दी वेब पेज निर्माण • ईमेल	5	1	7	13
	Total	38	4	13	45

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**

- **Attendance** **5 Marks**

- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. कंप्युटर एक परिचय: सं. संतोष चौबे ।
2. कंप्युटर और हिन्दी भाषा: डॉ. अनिरुद्ध कुमार 'सुधांशु', जयंत शर्मा, नीलमणि भक्ता ।
3. कंप्युटर और हिन्दी: हरिमोहन ।
4. कंप्युटर के भाषिक अनुप्रयोग: विजय कुमार मल्होत्रा ।
5. कार्यालयी हिन्दी और कंप्युटर अनुप्रयोग : निरंजन सहाय

SEMESTER II

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE–HIN–2 (CREDIT : 4) L–40, T–4, P–0

Total Marks : 100 (Th–60 + IA–40)

Title of the Course: हिन्दी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल एवं आधुनिक काल का परिचय

Course Code: HIN-MAJ-4-201

Nature of the Course: MAJOR

Total Credits: 4

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से लेकर आधुनिक काल के नवजागरण तक की विकास-यात्रा पर केंद्रित है । इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियों और उसकी तीन प्रमुख काव्यधाराओं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) से गहराई से परिचित कराना है। इसके साथ ही, यह पाठ्यक्रम आधुनिक काल के उदय, युगीन परिस्थितियों, साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ीबोली के विकास और हिन्दी नवजागरण की चेतना के प्रसार में तत्कालीन संस्थाओं के ऐतिहासिक योगदान को समझने की एक स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से परिचित कराना

ILO1: रीति शब्द का अर्थ जान पाएंगे और रीतिकाल के नामकरण की समस्या के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: रीतिकालीन परिस्थितियों को समझेंगे ।

ILO3: रीतिकाल के प्रमुख प्रवृत्तियों को जान पाएंगे ।

CO2: रीतिकालीन काव्य की प्रमुख धाराओं से परिचय कराना

ILO1: रीतिबद्ध काव्याधरा की प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

ILO2: रीतिसिद्ध काव्य धारा के प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

ILO3: रीति मुक्त काव्य धारा के प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

CO3: आधुनिक काल के प्रारम्भिक स्वरूप से परिचित कराना

ILO1: आधुनिक काल का सीमा निर्धारण व नामकरण के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: आधुनिक काल की परिस्थितियों से परिचित होंगे ।

ILO3: आधुनिक हिन्दी काव्य की अवधारणा जान सकेंगे ।

CO4: हिन्दी नवजागरण के स्वरूप से परिचित कराना

ILO1: हिन्दी नवजागरण का उद्भव और विकास जान पाएंगे ।

ILO2: हिन्दी नवजागरण में प्रमुख संस्थानों के योगदान की जानकारी प्राप्त होगी ।

ILO3: साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ीबोली के विकास के बारे में जान पाएंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	रीतिकाल • रीति शब्द का अर्थ व नामकरण • रीतिकालीन परिस्थितियां • रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां	14	01	-	15
2 (15 Marks)	रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएं • रीतिबद्ध (प्रवृत्तियाँ और कवियों का परिचय) • रीतिसिद्ध (प्रवृत्तियाँ और कवियों का परिचय) • रीतिमुक्त (प्रवृत्तियाँ और कवियों का परिचय)	14	01	-	15
3 (15 Marks)	आधुनिक काल • आधुनिक काल : सीमा निर्धारण व नामकरण • आधुनिक काल की परिस्थितियाँ • आधुनिक हिन्दी काव्य की अवधारणा	14	01	-	15
4 (15 Marks)	• हिन्दी नवजागरण का उद्भव और विकास • हिन्दी नवजागरण की प्रमुख संस्थाएं – ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्राथना समाज, थियोसोफिकल सोसाइटी • साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ीबोली का विकास	14	01	-	15
	Total	56	4	-	60

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**
- **Attendance** **5 Marks**

- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास: डॉ नगेन्द्र एवं डॉ हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास: गणपति चन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: डॉ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन ,नयी सड़क दिल्ली ।
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

SEMESTER II

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE–HIN–2 (CREDIT : 4) L–40, T–4, P–0

Total Marks : 100 (Th–60 + IA–40)

Title of the Course: हिन्दी साहित्य का इतिहास: रीतिकाल एवं आधुनिक काल का परिचय

Course Code: HIN-MIN-4-201

Nature of the Course: MINOR

Total Credits: 4

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से लेकर आधुनिक काल के नवजागरण तक की विकास-यात्रा पर केंद्रित है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियों और उसकी तीन प्रमुख काव्यधाराओं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) से गहराई से परिचित कराना है। इसके साथ ही, यह पाठ्यक्रम आधुनिक काल के उदय, युगीन परिस्थितियों और हिन्दी नवजागरण की चेतना के प्रसार में तत्कालीन संस्थाओं के ऐतिहासिक योगदान को समझने की एक स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से परिचित कराना

ILO1: रीति शब्द का अर्थ जान पाएंगे और रीतिकाल के नामकरण की समस्या के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: रीतिकालीन परिस्थितियों को समझेंगे ।

ILO3: रीतिकाल के प्रमुख प्रवृत्तियों को जान पाएंगे ।

CO2: रीतिकालीन काव्य की प्रमुख धाराओं से परिचय कराना

ILO1: रीतिबद्ध काव्याधरा की प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

ILO2: रीतिसिद्ध काव्य धारा के प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

ILO3: रीति मुक्त काव्य धारा के प्रवृत्तियों और प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

CO3: आधुनिक काल के प्रारम्भिक स्वरूप से परिचित कराना

ILO1: आधुनिक काल का सीमा निर्धारण व नामकरण के बारे में जान सकेंगे

ILO2: आधुनिक काल की परिस्थितियों से परिचित होंगे ।

ILO3: आधुनिक हिन्दी काव्य की अवधारणा जान सकेंगे ।

CO4: हिन्दी नवजागरण के स्वरूप से परिचित कराना

ILO1: हिन्दी नवजागरण का उद्भव और विकास जान पाएंगे

ILO2: हिन्दी नवजागरण में प्रमुख संस्थानों के योगदान की जानकारी प्राप्त होगी ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	रीतिकाल • रीति शब्द का अर्थ व नामकरण • रीतिकालीन परिस्थितियां • रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां	14	01	-	15
2 (15 Marks)	रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएं • रीतिबद्ध (प्रवृत्तियाँ और कवियों का परिचय) • रीतिसिद्ध (प्रवृत्तियाँ और कवियों का परिचय) • रीतिमुक्त (प्रवृत्तियाँ और कवियों का परिचय)	14	01	-	15
3 (15 Marks)	आधुनिक काल • आधुनिक काल : सीमा निर्धारण व नामकरण • आधुनिक काल की परिस्थितियाँ • आधुनिक हिन्दी काव्य की अवधारणा	14	01	-	15
4 (15 Marks)	• हिन्दी नवजागरण का उद्भव और विकास • हिन्दी नवजागरण की प्रमुख संस्थाएं – ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्राथना समाज, थियोसोफिकल सोसाइटी	14	01	-	15
	Total	56	4	-	60

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**
- **Attendance** **5 Marks**

- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास: डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास: गणपति चन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन ,नयी सड़क दिल्ली ।
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

SEMESTER- II

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE- GEC-2 (CREDIT- 3) L-40. T-4, P-0)

Total Marks- 100 (Theory- 60 , IA- 40)

Title of the Course : सृजनात्मक लेखन

Course Code: HIN-GEC-3-201

Nature of the Course : Generic Elective Course

Total Credit : 3

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना : सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों के समग्र विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है । इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभा में निखार आएगा तथा उनकी कल्पनाशक्ति का विस्तार होगा । यह उन्हें कला, साहित्य, विज्ञान और तकनीकी जैसे विविध क्षेत्रों में मौलिक अभिव्यक्ति करने की क्षमता प्रदान करेगा । सृजनात्मक लेखन न केवल मानसिक विकास को प्रोत्साहित करता है, बल्कि रचनात्मकता लाने के लिए प्रेरित भी करता है । इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को सृजन की मूल अवधारणा, सृजनात्मकता के अर्थ, स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराते हुए काव्य, कहानी, उपन्यास, एकांकी आदि की लेखन कला सिखाई जाएगी ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: सृजन की अवधारणा से परिचित कराना ।

ILO1: सृजन की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे ।

ILO2: सृजनात्मकता के अर्थ एवं परिभाषा को जानेंगे ।

ILO3: सृजनात्मक लेखन की परिभाषा, स्वरूप, महत्व और उद्देश्य के बारे में जानकारी मिलेगी ।

CO2: सृजनात्मक लेखन के विविध रूपों के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: काव्य लेखन की कला को सीखेंगे ।

ILO2: कहानी लेखन के माध्यम से अपनी सृजनात्मक क्षमता को बढ़ाएँगे ।

ILO3: उपन्यास लेखन की कला से अवगत होंगे ।

CO3: रेखाचित्र, संस्मरण, एकांकी एवं प्रहसन आदि के माध्यम से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास कराना ।

ILO1: रेखाचित्र और संस्मरण लेखन की कला से परिचित होंगे ।

ILO2: एकांकी एवं प्रहसन लेखन की कला से परिचित होंगे ।

CO4: माध्यम लेखन के प्रति प्रेरित कराना ।

ILO1: धारावाहिक, फिल्म संवाद और कार्टून लेखन के प्रति आकर्षित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	• सृजन की अवधारणा: सृजन और सृजक • सर्जनात्मकता का अर्थ और परिभाषा • सृजनात्मक लेखन की परिभाषा, स्वरूप, महत्व एवं उद्देश्य	10	01	-	11
2 (15 Marks)	सृजनात्मक लेखन के विविध रूप: • काव्य लेखन • कहानी लेखन • उपन्यास लेखन	10	01	-	11
3	• रेखाचित्र और संस्मरण लेखन	10	01	-	11

(15 Marks)	• एकांकी एवं प्रहसन लेखन				
4 (15 Marks)	• धारावाहिक लेखन • फिल्म संवाद लेखन • कार्टून	11	01	-	12
	Total	41	4	-	45

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN- SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**
- **Attendance** **5 Marks**
- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन: स. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।
2. सृजनात्मक लेखन: राजेन्द्र मिश्र, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. संचार भाषा हिन्दी: सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. सृजनात्मक लेखन: डॉ समीर कुमार झा, नूरअपशा बेगम ।
5. रचनात्मक लेखन: हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह, तरुण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. लेखन कला एक परिचय: मधू धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

SEMESTER- I

चार वर्षीय हिंदी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (मेजर कोर्स)

HINDI HONOURS (MAJOR COURSE)

COURSE-SEC-2 (CREDIT-3) L-40. T-4, P-0)

Total Marks- 100 (Theory- 45, Practical-15, IA- 40)

Title of the Course : व्यावहारिक हिन्दी 2 : मीडिया एवं साक्षात्कार विधि

Course Code: HIN-SEC-3-201

Nature of the Course : Skill Enhancement Course

Total Credit : 3

Distribution of Marks : 60 (End sem) + 40 (In Sem)

प्रस्तावना :

साक्षात्कार मीडिया संकलन का एक अत्यंत प्रभावी और सशक्त माध्यम है । वस्तुतः मीडिया की संरचना और कार्यप्रणाली का एक बड़ा हिस्सा साक्षात्कारों पर ही आधारित होता है, जिसके माध्यम से तथ्य, विचार और दृष्टिकोण सीधे स्रोत से प्राप्त किए जाते हैं । विभिन्न प्रकार के मीडिया चाहे वह प्रिंट हो, इलेक्ट्रॉनिक हो या डिजिटल सभी में साक्षात्कार का विशेष और विशिष्ट स्थान है । वर्तमान युग में मीडिया की उपयोगिता, महत्त्व और भूमिका निरंतर विस्तार और सुदृढ़ीकरण की ओर अग्रसर है ।बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में इसकी बढ़ती मीडिया की प्रासंगिकता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि मीडिया अध्ययन को पाठ्यक्रम में समुचित स्थान दिया जाए, ताकि विद्यार्थी इस क्षेत्र की संभावनाओं, कौशलों और दायित्वों से भली-भांति परिचित हो सकें ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (course objective) :

CO1: मीडिया एवं साक्षात्कार के बारे में ज्ञात कराना ।

ILO1: मीडिया एवं साक्षात्कार के स्वरूप, महत्व एवं विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे ।

CO2: मीडिया और साक्षात्कर के प्रकार से परिचित कराना ।

ILO1: समाचार पत्र और रेडियो से परिचय एवं उसके महत्व को समझ सकेंगे ।

ILO2: टी.वी और सोशल मीडिया के प्रति रुचि बढ़ेंगे ।

CO3: मीडिया साक्षात्कार की प्रविधि एवं अच्छे साक्षात्कार के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: मीडिया साक्षात्कार की प्रविधि से अवगत होंगे ।

ILO2: अच्छे मीडिया साक्षात्कारक के गुणों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO3: मीडिया साक्षात्कार हेतु प्रश्न निर्माण कैसे करते है जान सकेंगे ।

CO4: साक्षात्कार लेने की प्रभावपूर्ण तरीका को सीखाना ।

ILO1: साक्षात्कार लेने की कला से परिचित होंगे ।

ILO2: प्रत्यक्ष साक्षात्कार के माध्यम से विद्यार्थी विशिष्ट व्याक्तियों के व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive process dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3	CO4	CO1, CO2, CO3		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3		CO1, CO2, CO3		
Procedural knowledge				CO1, CO2, CO3		
Meta cognitive knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	• मीडिया का स्वरूप • मीडिया का महत्व एवं विशेषताएं • साक्षात्कार का स्वरूप एवं महत्व	10	01	-	11
2 (15 Marks)	मीडिया में साक्षात्कार के विविध प्रकार : • समाचार पत्र • रेडियो • टी. वी • सोशल मीडिया	10	01	-	11

3 (15 Marks)	• मीडिया में साक्षात्कार की प्रविधि • अच्छे मीडिया साक्षात्कार के गुण • मीडिया साक्षात्कार हेतु प्रश्न निर्माण	10	01	-	11
4 (15 Marks)	व्यवहारिक (Practical) • साहित्य एवं समाज के साथ जुड़े आंचलिक अथवा स्थानीय विशिष्ट व्यक्तियों का साक्षात्कार ग्रहण	5	01	6	12
	Total	35	4	6	45

Where- **L: Lectures** **T- Tutorials** **P: Practical**

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **40 Marks**

- **Two Internal Examination-** **20 Marks**
- **Any one of the activities listed below** **10 Marks**
  - **Home Assignment**
  - **Fieldwork/ Project**
  - **Viva-voce**
- **Any one of the activities listed below** **5 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar**
  - **Viva-voce**

- **Attendance** **5 Marks**
- **Mapping of Course outcome to Program Outcomes:**

CO/PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. इलेक्ट्रानिक मीडिया भाषा लेखन कला तथा तकनीकी प्रविधि : डॉ. माया सगरे लक्का, विकास प्रकाशन, कानपुर।
2. इलेक्टानिक मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी: डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन, पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. इलेक्ट्रानिक मीडिया : डी. एस. आलोक ।
4. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और न्यू मीडिया: संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।